STUDY OF STUDY HABITS, MEMORY AND ASPIRATION LEVEL OF ADOLESCENT STUDENTS OF GENERAL CATEGORY AND BACKWARD CLASS

सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें, स्मृति एंव आकाक्षा स्तर का अध्ययन

Meenakshi Sharma [1], Manju Sharma [2]

[1] Research Student (Pedagogy), Jyoti Vidyapathi Mahila Vishwavidyalaya, Jaipur, Rajasthan, India
[2] Dean, Faculty of Education Methodology, Jyoti Vidyapathi Mahila Vishwavidyalaya, Jaipur, Rajasthan, India

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i5.2024.2558

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: The progress of any nation depends on education only. Education helps a person to reach the category of civilized, cultured and capable citizens but it depends on the beliefs and aspirations of a particular society. In India even today the whole society is divided into two parts, first upper class and second lower class. Thus the whole society is confined to only two classes. The lower class has to face financial problems at every step whereas the upper class does not face any financial problems. The government's declaration of equal rights in education only looks like a mirage. The success of any student in school subjects depends on his internal qualities. No matter how many languages or subjects are taught to students at the secondary level, the principal may have the problem of organizing a teacher's seminar every week, a teacher may have the problem of whether his teaching style is satisfactory, a student may have the problem of how he can score more marks in mathematics. The possibility of significant difference at different levels in the aspiration level, study habits and memory level of adolescent students of general category and backward class will be more because the living standard of the students, family background, family values, home environment, all these are capable factors to change the different levels of students.

Hindi: किसी राष्ट्र की उन्नति शिक्षा पर ही निर्भर करती है। शिक्षा मनुष्य को सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिकों की श्रेणी में पहुंचाने में सहायक होती है परन्तु यह समाज विशेष की मान्यताओं एवं आकांक्षाओं पर निर्भर करती है। भारत वर्ष में आज भी पूरा समाज दो भागों में विभाजित है प्रथम उच्च वर्ग द्वितीय निम्न वर्ग इस प्रकार पूरा समाज दो वर्गों में ही सिमट कर रह गया है। निम्न वर्ग को कदम-कदम पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है जब की उच्च वर्ग आर्थिक परेशानी का सामना नहीं करता है। समान अधिकार की सरकार द्वारा शिक्षा की घोषणाये केवल सब्जबाग दिखायी देती है। किसी भी विद्यार्थी की स्कूल विषयों में सफलता उसके आन्तरिक गुणों पर निर्भर करती है। माध्यमिक स्तर पर छात्रों को कितनी भी भाषाये अथवा कितने विषय पढाये जाये, प्रधानाचार्य की समस्या हो सकती है कि अध्यापक गोष्ठी का आयोजन प्रत्येक सप्ताह में किया जाये, किसी अध्यापक की समस्या हो सकती है क्या उसकी अध्यापन शैली सन्तोष जनक है, छात्र कि समस्या हो सकती है। कि वह गणित में अधिक अंक कैसे प्राप्त करे। सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियो की आकांक्षा स्तर अध्ययन आदते व स्मृति स्तर में विभिन्न स्तर पर सार्थक अन्तर की सम्भावना इसलिए अधिक होगी कि छात्रो का रहन सहन स्तर पारिवारिक पृष्ठ भूमि पारिवारिक मूल्य घर का वातावरण ये सभी कही न कही छात्रों के विभिन्न स्तरों को परिवर्तन करने वाले समर्थ कारक है।

Keywords: General Category, Backward Class, Adolescent Class, Study Habits, Memory Aspiration Level, सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, किशोर वर्ग, अध्ययन आदते, स्मृति आकांक्षा स्तर

How to cite this article (APA): Sharma, M., and Sharma, M. (2024). Study of Study Habits, Memory and Aspiration Level of Adolescent Students of General Category and Backward Class. *ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts, 5*(5), 951–954. doi: 10.29121/shodhkosh.v5.i5.2024.2558

1. प्रस्तावना

महात्मा गाँधी - शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक और मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के उच्चतम विकास से है। गाँधी जी के विचार से मनुष्य जीवन का अंतिम उद्देश्य मुक्ति है। वे पहले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और राजनैतिक मुक्ति की बात करते थे फिर आत्मिक मुक्ति की यह ही कारण था कि वे शिक्षा द्वारा मनुष्य के शरीर मन और आत्मा का उच्चतम विकास करना चाहते थे। शिक्षा व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक सामाजिक, नैतिक, चारित्रिक, संवेगात्मक शक्तियों को विकास करके उसकी व्यक्तिगत उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है वही दूसरी ओर वह उसे समाज का एक महत्वपूर्ण व उत्तरदायी सदस्य तथा राष्ट्र का एक सुयोग्य कर्तव्यनिष्ठ व सजग बनाती है। कोई भी राष्ट्र तभी उन्नति कर सकता है, जब उस राष्ट्र को विकास के सर्वोत्तम अवसर प्राप्त थे तथा लाभ उठाने में समर्थ है।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का अध्ययन करना।
2. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की स्मृति स्तर का अध्ययन करना।
3. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना ।
4. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों की तुलना करना।
5. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की स्मृति स्तर की तुलना करना।
6. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर की तुलना करना।

शोध की परिकल्पनायें

1. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियों के स्मृति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियों के अकांक्षा स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
4. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
5. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियों के स्मृति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
6. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व किशोर वर्ग के ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के अकांक्षा स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
7. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व किशोर वर्ग के छात्र-छात्राओं की अध्ययन आरतों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
8. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के छात्र-छात्राओं के स्मृति स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
9. मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के छात्र-छात्राओं की आंकाक्षा स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध में प्रयुक्त चर

1. अध्ययन आदतें
2. स्मृति
3. आकांशा स्तर

शोध विधि - प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णानात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में 600 सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के छात्र/छात्राओं का चयन किया गया। जिनमें 300 छात्र तथा 300 छात्राएँ सम्मिलित है।

न्यादर्श - न्यादर्श में सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के ग्रामीण एवं शहरी छात्र-छात्राये सम्मिलित है। प्रस्तुत न्यादर्श में मेरठ मण्डल के 15 सरकारी व 15 और गैर- सरकारी माध्यमिक स्तर के विद्यालय शामिल है।

शोध उपरण

1. अध्ययन आदतों के लिए – डा. मुखोपाध्याय
2. स्मृति स्तर के लिए – डा. बी. बी. अस्थाना
3. अकांक्षा स्तर के लिए – डा. महेश भार्गव व एम. ए.शाह.

नमूना तकनीक - प्रस्तुत शोध में सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के 600 छात्र -छात्राओं का चयन किया गया है। जिनमें से 300 छात्र व 300 छात्रायें है।

शोध का सीमांकन

1. प्रस्तुत शोध भारत वर्ष के केवल उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ मण्डल तक ही सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन मेरठ मण्डल के केवल मेरठ गाजियाबाद व हापुड़ तक सीमित है।
3. प्रस्तुत शोध अध्ययन माध्यमिक स्तर के केवल कक्षा 9 स्तर के 600 छात्र/छात्राओं तक सीमित है।

आकड़ों का विश्लेषण एक व्याख्या

सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के छात्रों की अध्ययन आदतों की सार्थकता का अंतर

चर	संख्या	मीन	मानक विचलन	मानक त्रुटि	T-मान	सार्थकता स्तर
सामान्य वर्ग	50	87-80	25-35	3-58	0-91	सार्थक अंतर नहीं
पिछड़ा वर्ग	50	92-10	21-42	3-02		

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि सामान्य वर्ग व पिछड़े वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के लिए उपलब्धि मान 0.91, 0.98 के 0.005 के विश्वास स्तर के लिए निधारित मान 2.63 से काफी कम है अर्थात सार्थक अंतर नहीं है अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थि यो की स्मृति स्तर का सार्थकता का अध्ययन

चर	संख्या	मीन	मानक विचलन	मानक त्रुटि	T-मान	सार्थकता स्तर
सामान्य वर्ग	50	18-90	7-20	1-01	0-34	सार्थक अंतर नहीं
पिछड़ा वर्ग	50	19-34	5-71	0-80		

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है। कि सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियो की स्मृति स्तर के लिय उपलब्ध गुणात्मक टी-मान 0.34 98 d व f के विश्वास स्तर के विश्वास स्तर के लिए निर्धारित मान 1.98 तथा 0.01 के विश्वास स्तर के लिए निर्धारित मान 2.63 से काफी कम है। अर्थात सार्थक अन्तर नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियो की अकांक्षा स्तर का सार्थकता का अध्ययन

चर	संख्या	मीन	मानक विचलन	मानक त्रुटि	T-मान	सार्थकता स्तर
सामान्य वर्ग	50	19-80	6-18	0-87	1-14	सार्थक अंतर नहीं
पिछड़ा वर्ग	50	20-94	5-58	0-78		

उपरोक्त तालिका के अध्ययन के उपरान्त स्पष्ट होता है कि सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियों की अकांक्षा स्तर के लिए T का मान 1.14 98 df के 0.05 के विश्वास स्तर के निर्धारित मान 1.98 तथा 0.01 के लिए विश्वास स्तर के निर्धारित मान 2.63 से काफी कम है अर्थात सार्थक अन्तर नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत कर ली जाती है।

2. निष्कर्ष

प्रस्तुत शोघ अध्ययन के अध्ययन उपरान्त प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्षो से विदित होता है, कि मेरठ मण्डल के सामान्य वर्ग व पिछडे वर्ग के किशोर वर्ग के विद्यार्थियो की अध्ययन आदते स्मृति एव अकाक्षा स्तर में कोई सर्थिक अन्तर नहीं पाया गया है। इन छात्रों को अपनी अध्ययन आदतो को विकसित करने स्मृति स्तर को जामृत करके विकसित करने के सार्थक अवसर प्रदान करने चाहिए। जिससे कि ये परिवर समाज एव राष्ट्र के उपयोगी सदस्य एवं नागरिक बन सके। पिछडे वर्ग के छात्र/छात्राओ के साथ परिवार एव शिक्षा संस्थाओ के व्यक्तियों द्वारा इन पर द्वेषपूर्ण व्यवहार नहीं करना

चाहिए। जबकी इनकी क्षमताओ को विकासित करते हुए पाठ्य सहाग्रामी क्रियाआंे मे निरन्तर भाग लेने के लिए निरन्तर प्रोत्साहित करना चाहिए साथ ही उचित वातावरण व समान अवसर दिये जाने चाहिए।

CONFLICT OF INTERESTS

None.

ACKNOWLEDGMENTS

None.

REFERENCES

Dhani, Yog Raj, (2018) Physical Education and Health Education Prashant Prakashan Delhi
K. M. Dr. (2017) Health and Physical Education Vinod Prakashan Mandir Agra, Third Edition
Shri Vastav A. K. Dr. (2016) Physical Education and Mental Education, Delhi Engineering College Bana Road, Delhi
Shri Vastav, Padey Kalpalata (2016) Education Psychology Publication, Allahabad
Suleman, M. (2011) Statistics in Psychology Education and Other Social Sciences Motilal Banarasi Das Delhi.
Singh A. K. (2011) Fundamentals of Educational Research and Research Process R. Lal Book Meerut
Bhatnagar S. Education Psychology R. Lal Book Depot Meerut.
Pandey K.P. (2010) Anveshika Indian General Teacher Education
Sharma, R.A. (2010) Fundamentals of Psychology Education and Educational Research, Radhunath Publishers Meerut
Kar Ligar Fed N. (2008) Foundation of Behavioral Research Surchit Publications New Delhi
Gupta S.G. (2002) Statistical Methods Allahabad Sharda Puraskar Bhavan